ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680,
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 53103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 18 | अंक – 69 | जनवरी–मार्च 2014

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. हमारे नए निदेशक
2. श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग का इरिसेन दौरा
3. इरिसेन के पुराने भवन में छात्रावास–I का शुभारंभ
4. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार
5. प्रशस्ति–पत्र द्वारा इरिसेन का सम्मान
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 121 एवं 122वीं संयुक्त बैठक
7. हिंदी शिक्षण योजना, पुणे में प्रशिक्षण
8. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन
9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
10. संस्थान में सरस्वती पूजा का आयोजन
11. समेकित पाठ्यक्रम – प्रशिक्षण में उत्कृष्ट अधिकारी
12. स्वागत / विदाई
13. सृजन

1. हमारे नए निदेशक



1980 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी श्री विश्वेश चौबे ने दिनांक 03 मार्च, 2014 से संस्थान के निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप उत्तर रेलवे में मुख्य रेलपथ इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। श्री चौबे ने आई.आई.टी, दिल्ली से एम.टेक की डिग्री हासिल की है। अपने सेवा काल में आप विभिन्न मंडलों, आरडीएसओ, पुल एवं भू–तकनीकी निदेशालयों, निर्माण विभाग तथा रेल मंत्रालय में कार्यकारी निदेशक/सिविल इंजी.(योजना) के पद पर कार्य कर चुके हैं। आप 1000 कि.मी. से ज्यादा की बी. जी. लाइनों का निर्माण करा चुके हैं।

आप रेल विकास निगम के प्रथम निदेशक थे और उसकी स्थापना में आपने प्रमुख भूमिका निभाई है। आपने रेल परियोजनाओं को मेगा अनुबंधों द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की विभिन्न परियोजनाएं आपके निर्देशन में लक्ष्यानुसार पूरी की गई है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

2. श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग का इरिसेन दौरा

दिनांक 21 मार्च, 2014 को नए इरिसेन भवन के सम्मेलन कक्ष में श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने प्रधान मुख्य इंजीनियरों के सेमिनार में सर्वप्रथम उपस्थित सभी अधिकारियों का अभिवादन किया तथा कहा कि आज मैं इरिसेन के अपने भवन में अपने आप को गौरवान्वित एवं प्रसन्न अनुभव कर रहा हूं। आज ही मेरे द्वारा पुराने भवन के छात्रावास का शुभारंभ किया गया है।

श्री जैन ने कहा कि मेरी सदैव से यही इच्छा रही है कि यह प्रशिक्षण संस्थान एक लैंडमार्क बने और प्रशिक्षण का यह ऐसा क्षेत्र बने जिसका मानक उच्चकोटि का हो, ताकि इसकी गुणवत्ता पर कभी प्रश्न न उठे। श्री जैन का मानना था कि यहां प्रशिक्षण का स्तर उत्कृष्ट होना चाहिए क्योंकि रेलवे का अधिकतर इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट सिविल इंजीनियरिंग विभाग के माध्यम से होता है। अत: डेवलपमेंट की दिशा सही होनी चाहिए।



दृश्य में श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड उपस्थित सदस्यों के साथ

श्री जैन ने बताया कि जब भी हम कुछ नया करने की सोचते हैं तो स्वाभाविक रूप से उसमें कुछ प्रश्न चिन्ह लगते हैं, जैसे कि जब सिंधिया

संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

रेलमंत्री थे तब रेलवे पर कंप्यूटर का काम सफल होगा या नहीं उन्हें इस पर शंका थी, परंतु रेलवे द्वारा दृढ़तापूर्वक अत्याधुनिकता को इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ क्रियान्वित किया गया। कोच, लोको, डीजल लोको, इलेक्ट्रिक लोको, इंफॉर्मेशन सेक्शन सभी क्षेत्रों में हमने कंप्यूटरीकरण में सफलता पाई। कम मैनपावर, इंडस्ट्री सप्लायर्स के बिना भी बड़े पैमाने पर इन तकनीकों को लागू किया गया। धीरे-धीरे ट्रैक एवं अन्य इंफ्रास्ट्रक्चरों में भी उन्नति होती गई। श्री जैन ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि आज परिस्थितियां ऐसी हैं कि अगर आप उत्कृष्टता से काम करेंगे तभी आज आप टिक पाएंगे। सभी विभागों के समन्वय का एक रोडमैप तैयार करना चाहिए जिससे हम इन परिस्थितियों में अपने आप को सहूलियत से खड़ा रख सकें ।



'प्लैटिनम डिस्क' से सुसज्जित ग्रीन बिल्डिंग

श्री जैन ने कहा कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में अन्य अतिमहत्वपूर्ण स्रोत भूमि है। इस पर ध्यान देना आवश्यक है। ऑपरेटिंग परपस (परिचालन प्रयोजन) या अन्य किसी डेवलपमेंट के प्रयोजन को ध्यान में रखते हुए इसका सही कॉमर्शियल उपयोग होना चाहिए। रेलवे लैंड को बाउंड्री वाल द्वारा घेरकर अथवा बाउंड्री पर फेन्सिंग इत्यादि कर देना चाहिए।

सेमिनार में अधिकारियों को संबोधित करते हुए आपने कहा कि हमें प्रोक्योरमेंट प्रोसिजर में पारदर्शिता लानी होगी। सप्लायर की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। सॉलिसिटेड और अनसॉलिसिटेड डेवलपमेंट को जानने की आवश्यकता है। सुधार की जरूरत है। अधिकारियों को अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने चाहिए। बहुत से अच्छे-अच्छे सुझाव प्राप्त भी हुए हैं। यूएसएफडी की आउटसोर्सिंग आवश्यक है। गुणवत्ता का ध्यान रखना होगा। ट्रैक मशीन ऑर्गेनाइजेशन को रेकॉर्ड रखना होगा। जो मशीन 15 साल से पुरानी है उसे ठेकेदारों को लीज पर दिया जा सकता है। रेलवे की निर्भरता (डिपेडिंग) को कम करना होगा। कंप्रिहेंसिव मेंटेनेंस ब्लॉक एक सप्ताह का होना चाहिए, इकहरी लाइन को दोहरी लाइन में परिवर्तन के लिए यह आवश्यक है। मेटनेंस की लागत बढ़ गई है। मेटेरियल के दाम कई गुणा बढ़ गए हैं। इन सभी मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है।

श्री जैन ने इस अवसर पर सभी का एक बार पुन: आभार व्यक्त किया और कहा कि आपका सहयोग एवं स्नेह हमें हमेशा से मिलता रहा है। मेरी इस सेवा यात्रा में आपने जो हमारा साथ दिया है इसके लिए मैं आपका शुक्रगुजार हूं। आपने बताया कि अगले महीने मैं सेवानिवृत्त हो रहा हूं। आप सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।

3. इरिसेन के पुराने भवन में छात्रावास-I का शुभारंभ



श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड नए छात्रावास का उद्घाटन करते हुए

दिनांक 21 मार्च, 2014 को पूर्वाह्न में माननीय श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान, इरिसेन के पुराने भवन में नए छात्रावास का विधिवत शुभारंभ किया। पुराने भवन के कार्यालय परिसर को रूपांतरित कर छात्रावास का स्वरूप दिया गया है। इस रूपांतरण में प्रशिक्षुओं के लिए छात्रावास में मनोरंजन कक्ष एवं कंप्यूटर कक्ष की व्यवस्था की गई है। माननीय श्री जैन, सदस्य इंजीनियरिंग के मार्गदर्शन में इरिसेन रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान की संरचना का विकास किया जा रहा है। श्री जैन की देखरेख में ही इस संस्थान की संकल्पना को साकार रुप दिया जा रहा है। इस संस्थान में भारतीय रेल के सेक्शन इंजीनियरों को रेलपथ के अत्याधुनिक तकनीक के संबंध में उच्च स्तरीय जानकारी दी जा रही है। जिसका लाभ उनके मातहत कार्यरत कर्मचारियों को होगा, जिससे रेलवे की मूलभूत क्षमताओं में बढ़ोतरी होगी।

4. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार



प्रधान मुख्य इंजीनियरों के सेमिनार में विचार-विमर्श सत्र का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 20 एवं 21 मार्च, 2014 को प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य प्रधान मुख्य इंजीनियरों को आपसी विचार-विमर्श के लिए मंच प्रदान करना तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग को प्रभावित करनेवाले विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देना था।

विभिन्न क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। दिनांक 21 मार्च, 2014 को इस चर्चा में सदस्य इंजीनियरिंग श्री सुबोध जैन ने भी हिस्सा लिया तथा सभी उपस्थित प्रधान मुख्य इंजीनियरों को संबोधित किया एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सुझाव भी दिए। सेमिनार में निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : प्रधान मुख्य इंजीनियर, दक्षिण पूर्व रेल द्वारा कंम्प्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम, एबीसी रेल रोड द्वारा 'स्टेनली हाइड्रॉलिक टूल्स्'। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की भरपूर प्रशंसा की गई। सेमिनार की अनुशंसाएं रेलवे बोर्ड को प्रेषित की जा रही है।

5. प्रशस्ति-पत्र द्वारा इरिसेन का सम्मान



श्री आर.पी.सक्सेना, व.प्रा.इंजी. एवं श्री शरद अग्रवाल, उप मु.रा.भा. अधि /प्रा.पुल नराकास की बैठक में प्रशस्ति -पत्र ग्रहण करते हुए

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे के तत्वावधान में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे में दिनांक 20 मार्च, 2014 को श्री शैलेन्द्र कुमार यादव, न्यायिक सदस्य, आयकर अपीलीय अधिकरण, पुणे की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे की बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग, पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के प्रतिनिधि उपस्थित हुए जिन्होंने कार्यसूची की समीक्षा की और अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। न.रा.का.स. की बैठक में केंन्द्रीय सरकार के पांच

कार्यालयों को वर्ष 2013-14 की अवधि में राजभाषा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार हेतु चयन किया गया। पूर्णत: तकनीकी क्षेत्र होने के बावजूद इरिसेन को राजभाषा कार्य की निरंतर प्रगति के लिए प्रशस्ति–पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। श्री राजेन्द्र प्रकाश सक्सेना, वरिष्ठ प्राध्यापक, इंजीनियरिंग तथा श्री शरद अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल ने इरिसेन की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे की ओर से इरिसेन को तीसरी बार पुरस्कृत किया गया है। इरिसेन इससे गौरवान्वित हुआ है और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे के सदस्यों को अपनी ओर से धन्यवाद देता है।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 121वीं एवं 122वीं बैठक



इरिसेन में आयोजित मुख्य पुल इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

दिनांक 12 फरवरी, 2014 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 121 एवं 122वीं बैठक का आयोजन श्री आर.सी.बूलचंदानी वरिष्ठ आध्यापक, पुल–२, की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विशेष रूप से राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर चर्चा की गई। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि राजभाषा संपर्क भाषा के रूप में काम करती है। चूंकि हिंदी बड़ी सरलता से समझी जानेवाली भाषा है इसलिए कार्यालयों में अपनाना सहज होता है। आपने क्षेत्रीय भाषा पर अधिक जोर देते हुए कहा कि स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा से अन्य भाषाओं की तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि प्रत्येक प्रदेश की अपनी क्षेत्रीय भाषा होती है जो उस क्षेत्र मात्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आपने बताया कि भारत में अंग्रेजों का शासन था और अंग्रेजी हमारी जुबान पर चढ़ी हुई है। हम अंग्रेजी भाषा का उपयोग इसलिए भी करते हैं क्योंकि यह विश्व प्रचलित भाषा है । परंतु, धीरे धीरे हम इन भाषायी बंधनों से मुक्त हो रहे हैं और सभी भाषाओं को अपनाने में परहेज नहीं करते है। आपने संस्थान में राजभाषा के नीति–निदेर्शों के अनुपालन पर संतोष व्यक्त किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल श्री शरद कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि 19 एवं 20 सितंबर, 2013 को संस्थान में राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया था और उस दौरान उत्साहवर्द्धन के लिए भिन्न–भिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। दैनिक कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा की प्रगति एवं प्रोत्साहन की दृष्टि से गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं रेलवे बोर्ड राजभाषा निदेशालय द्वारा पुरस्कार रखे गए हैं। इसी प्रकार अधिकारियों एवं कर्मचारियों में पुस्तकों के प्रति साहित्यिक रुझान पैदा करने के लिए संस्थान के पुस्तकालय में चुनिंदा पत्र–पत्रिकाएं मंगाई जाती है। आप सभी को उसका लाभ उठाना चाहिए। राजभाषा के क्षेत्र में प्रगति के लिए सहयोग की अपेक्षा करते हुए उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने सभी का धन्यवाद किया।

7. हिंदी शिक्षण योजना, पुणे में प्रशिक्षण

श्रीमती अनुराधा उरसल, कनिष्ठ अनुवादक एवं श्री प्रवीण रासकर, अवर लिपिक ने हिंदी शब्द संसाधन/टायपिंग परीक्षा क्रमश: 98 % एवं 97 % अंको से उत्तीर्ण कर ली है। इन कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजना के तहत नियमानुसार वेतनवृद्धि एवं नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

8. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन



श्री आर.पी.सक्सेना,व.प्रा.इंजी. ध्वजारोहण के अवसर पर संबोधित करते हुए

संस्थान में दिनांक 26 जनवरी, 2014 को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक, इंजीनियरिंग ने नई ग्रीन बिल्डिंग के प्रांगण में ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रशिक्षु अधिकारी, परिवीक्षार्थीगण, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उत्याहपूर्वक हिस्सा लिया।

9. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	14805	रेल टूटना,वेल्डिंग एवं यूएसएफडी पर विशेष पाठ्यक्रम	21/04/14	02/05/14
2	14806	यांत्रिकृत पटरी अनुरक्षण एवं पटरी बदलना पर विशेष पाठ्यक्रम	19/05/14	30/05/14
3	14807	कर्व्स पर विशेष पाठ्यक्रम	23/06/14	27/06/14
4	14808	ट्रैक प्रबंधक प्रणाली	30/06/14	04/07/14
5	14003	भा.रे.इं.से. तैनाती परीक्षा	15/04/14	25/04/14
6	14004	भा.रे.इं.से. ओरिएन्टेशन पर विशेष पाठ्यक्रम	26/05/13	30/05/14
7	14102	समेकित पाठ्यक्रम	28/04/14	17/07/14
8	14202	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	26/05/14	04/07/14
9	14301	मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार	08/05/14	09/05/14
10	14303	मुख्य इंजीनियर/टी.पी. का सेमिनार	05/06/14	06/06/14
11	14302	मुख्य इंजी. कार्य/ मु.यो.ड्रॉ.इंजी. का सेमिनार	10/04/14	11/04/14
12	14304	मुख्य प्रशसनिक अधि.निर्माण का सेमिनार	19/06/14	20/06/14
13	14403	यूएाएफडी टेस्टिंग, वेल्डिंग, रेल ग्राइंडिंग, ट्रैक मॉनिटरिंग एवं ट्रैक मशीन (टी 1)	05/05/14	16/05/14
14	14404	च.श्रे./ क.प्र.श्रे. अधिकारियों के लिए ठेका एवं, विवाचन तथा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट (डब्ल्यु 2)	02/06/14	13/06/14
15	14405	रेल व्हील इंटरऐक्शन एवं डीरेलमेंट (टी –2)	23/06/14	28/06/14
16	14406	ट्रैक मशीन (टी –5)	30/06/14	04/07/14
17	14706	भा.रे.वि.इं.से. परि. हेतु जागरूकता पाठ्यक्रम	12/05/14	16/05/14
18	14707	भा.रे.वि.इं.से. परि. हेतु जागरूकता पाठ्यक्रम	19/05/14	23/05/14
19	14708	परिवीक्षार्थियो के लिए जागरूकता पाठ्यक्रम	09/06/14	13/06/14
20	14709	भा.रे. परिवहन सेवा के परि. हेतु जागरूकता पाठ्यक्रम	16/06/14	20/06/14

10. संस्थान में सरस्वती पूजा का आयोजन



मां सरस्वती के पूजन में शरीक इरिसेन के कर्मचारी

वसंत पंचमी के अवसर पर दिनांक 04 फरवरी, 2014 को संस्थान के ग्रंथालय में मां सरस्वती की पूजा का आयोजन किया गया। श्री आर.पी. सक्सेना, वरिष्ठ प्राध्यापक, इंजीनियरिंग ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा दीप प्रज्वलन करते हुए विद्या की देवी का विधिवत पूजन किया। आइ.आर.एस.सी. परिवीक्षार्थियों के साथ-साथ उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने माँ सरस्वती की आरती की। विद्या के इस मंदिर में संस्थान के प्रशिक्षु अधिकारी, परिवीक्षार्थीगण, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक मां शारदे के पूजन में हिस्सा लिया। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

11. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 13104

प्रथम



भूषण कुमार गर्ग
सहा.कार्य.इंजी./नि./अंबाला कैंट/उ.रे.

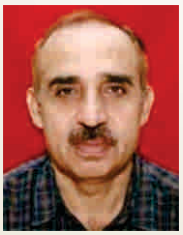
द्वितीय



शिव कुमार
कार्य. इंजी./नि./समस्तीपुर/पूमरे.

12. स्वागत/बिदाई

क. स्वागत



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा 1980 बैच के श्री आर.सी.बुलचंदानी ने दिनांक 17 जनवरी, 2014 को वरिष्ठ प्राध्यापक – पुल 2 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप मुख्य इंजीनियर, कार्य, छ.शि.ट. मुंबई, मध्य रेल पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री नीरज कुमार मिश्रा ने दिनांक 14 फरवरी, 2014 को इरिसेन आई.टी.टी.आई. में सह प्राध्यापक, रेलपथ का पदभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पूर्व आप मंडल इंजीनियर, मध्य रेल, पुणे में कार्यरत थे। आपने गवर्न्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, उज्जैन से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा एवं बी.ई.(सिविल) की डिग्री प्राप्त की है। आपने वर्ष 2004 में प्रधान मुख्य इंजी. का पुरस्कार भी प्राप्त किया है एवं वर्ष 2006 में स.मं.इंजी. मनमाड के पद पर कार्य करते हुए आपको महाप्रबंधक पुरस्कार मिला है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

ख. बिदाई



संस्थान के निदेशक श्री चंद्र प्रकाश तायल का स्थानांतरण चितरंजन लोकोमोटिव्ह वर्कशॉप में महाप्रबंधक के पद पर हुआ है। आपको दिनांक 01 जनवरी, 2014 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

13. सृजन

दाखिला (कविता)

जब मैंने समाज सेवा का बीड़ा उठाया था,
एक ही धंधा नजर आया था,
अब मैंने एक कान्वेंट स्कूल खोला है,
उसके सामने लटकाया एक झोला है।

वॉचमेन को भी ताकिद कर दी है,
कोई गरीब आदमी घुस ना पाए,
जिसका बैंक बैंलस हो करोड़ से ऊपर,
वही विद्यालय के अंदर आ पाए,

क्योंकि बच्चे को मेरे स्कूल में,
दाखिला दिलवाना आसान काम नहीं,
गरीब तो सोच भी नहीं सकता,
मध्य तबके के भी बूते की बात नहीं,

क्योंकि मेरे विद्यालय का स्टैंडर्ड बहुत
हाई है, यहां घुडसवारी भी सिखाई जाती है,
शायद बच्चों को अंग्रेजी ठीक से आती न हो,
पर पालकों को परफेक्ट सिखाई जाती है,

परंतु मेरे स्कूल में प्रवेश आसान नहीं है,
मेरे स्कूल की फीस से उंचा आसमान नहीं है,
साथ ही अनेक फंडों का पड़ता है डंडा,
जिसके आगे हर रईस हो जाता है ठंडा।

यहां के स्टॉफ को भी
ऐसा सलीका सिखाया जाता है,
कि हर मध्यम वर्गीय शरीफ को,
रिसेप्शन से कैसे भगाया जाता है।

आजकल शिक्षा के फील्ड में
लखपतियों की भी हो गई हालत बुरी
अब तो इज्जत बचाने के लिए
कान्वेंट में पढ़ाना बन गई है मजबूरी

क्या ऐसी शिक्षा पाए बच्चों से
देश का भविष्य सुधर पाएगा जो भी हश्र हो देश का
आज का पालक रसातल तो जरुर जाएगा।
आज का पालक रसातल तो .....

श्याम खोचे,
सह प्राध्यापक, इरिसेन

प्राप्त हुए धन का उपयोग करने में दो भूलें हुआ करती हैं, जिन्हे ध्यान में रखना चाहिए। अपात्र को धन देना और सुपात्र को धन न देना।
– वेद व्यास

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित